एनडीडीबी

मानक प्रचालन प्रक्रिया

उत्पादक स्तर पर स्वच्छ दूध उत्पादन प्रक्रियाएं

11 जनवरी 2016

स्वच्छ दूध उत्पादन प्रक्रियाएं

दूध को एक स्वस्थ पशु के स्तनस्राव के रूप में जाना जाता है । इसलिए स्वच्छ दूध उत्पादन में पशु स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण पहलू है । उत्तम स्वास्थ्यकर तथा स्वच्छता प्रक्रियाएं इसे बैक्टीरियल संदूषण से मुक्त रखेगी । इस प्रकार स्वच्छ दूध उत्पादन की दृष्टि से मुख्यत: इन दोनों पहलुओं पर विचार किया गया है ।

क्या/चरण	कैसे/मानक
स्वच्छ दूध उत्पादन के महत्वपूर्ण चरण	1. दूध दुहने से पहले गाय को पर्याप्त मात्रा में आहार तथा पीने का पानी दें । 2. गाय के गोबर का ढेर हटाएं । 3. गाय को नहलाया जाए तथा यदि नहलाना संभव न हो, तो झाड़ू/डस्टर से सफाई की जाए । 4. गाय को साफ तथा स्वस्थ रखें । 5. यदि पशु का उपचार चल रहा हो, तो उपचार अवधि के दौरान दूध न निकालें । यदि पशु किसी रोग से ग्रस्त है तो डीसीएस /एमपीआई में दूध न ले जाएं । 6. दूध दुहने के पूर्व 10-15 मिनट तक पानी से धो कर या ड्राईक्लीन करके पशु शेड की सफाई करें । 7. फर्श फिसलन वाला नहीं होना चाहिए । यह कठोर तथा सूखा होना चाहिए ताकि उठते या खड़े होते समय पशु को उचित पकड़ मिल सके । 8. स्वच्छ (पेय) जल से पशु के थन तथा टीट की सफाई करें तथा पोछने के लिए सूखे एवं स्वच्छ कपड़े का इस्तेमाल करें । 9. थन तथा टीट की सफाई के लिए तथा दूध निकालने के लिए अलग-अलग बर्तन कर प्रयोग करें । 10. यदि गाय बछड़े/बछड़ी द्वारा स्तनपान करने पर दूध गिरता है तो स्तनपान के बाद टीट की सफाई करें । 11. विशेष रूप से डिटर्जेंट एवं गर्म पानी इत्यादि से दूध संकलन वाले बर्तन की पूरी तरह सफाई करें तथा दूध दुहने से पहले इसे सूखने के लिए उल्टा करके रखें ।

क्या/चरण	कैसे/मानक
	12. दूध दुहने वाले व्यक्ति को अपने हाथ साबुन से धोना चाहिए ताकि उन्हें स्वच्छ तथा कीटाणु रहित बनाया जा सके । 13. दूध दुहने व्यक्ति वाले को साफ कपड़े पहनना चाहिए । 14. दूध दुहने व्यक्ति वाले को दूध तथा अपने शरीर के हिस्सों, कपड़ों व अन्य संबंधित सामानों का संपर्क होने से बचाना चाहिए। 15. दूध दुहने के दौरान तंबाकू खाने एवं थूकने, धूम्रपान करने तथा गुटखे का इस्तेमाल करने से बचें । 16. दूध दुहने के दौरान थन/बर्तन की ओर छींकने/खांसने से बचें । 17. दूध दुहने वाला व्यक्ति किसी श्वसन संबंधी रोग या संक्रामक रोग से पीड़ित नहीं होना चाहिए । 18. दूध दुहने वाले व्यक्ति को कोई खुला घाव या चोट नहीं होना चाहिए। 19. बैक्टीरिया के प्रभाव को कम करने के लिए सभी चार टीट का प्रारंभिक दूध छोड़ दें (डिस्कार्ड करें) । 20. मक्खियां, सूखी घास, छिलका (हस्क), सूखा उपला या अन्य बाहरी वस्तु दूध दुहने वाले बर्तन में नहीं पड़ना चाहिए। 21. दूध दुहने के बाद होने वाले संक्रमण से बचाव के लिए दूध दुहने के बाद संक्रमणरोधी घोल (पानी, आइडोफोर इत्यादि मिश्रित घोल) में टीट को डुबाएं । 22. दूध दुहने के बाद कम से कम आधे घंटे तक पशुओं को खड़ा रखना अच्छा है । इसको प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें आहार दिया जाए । 23. दूध दुहने वाली बाल्टी से दूध निकालने/डालने के लिए दूध वाले बर्तन में मापकों तथा ग्लास का इस्तेमाल करने से बचें ।
दूध दुहने वाले बर्तन तथा भंडारण बर्तन	1. बर्तन तथा भंडारण बर्तन एसएस 304 की बनावट वाले तथा तेज किनारे रहित होने चाहिए । 2. बर्तन तथा भंडारण बर्तन ढकने के लिए हमेशा उपयुक्त आकार वाले ढक्कन का प्रयोग किया जाए । 3. उन्हें उनके इस्तेमाल के पहले तथा बाद में साफ करके स्वच्छ रखना व सुखाना चाहिए । 4. वे बर्तन केवल दूध दुहने के लिए ही उपयोग में लाए जाएं । 5. बर्तन में दूध डालने के पहले दूध को छान लिया जाए ।
डीसीएस/एमपीआई में दूध की डिलीवरी	1. दूध एसएस बर्तन/एसएस कैन में रखा जाए ।

क्या/चरण	कैसे/मानक
	2. बर्तन इत्यादि की भिन्नता के कारण संदूषकों को रोकने के लिए जिस बर्तन में दूध निकाला जा रहा है उसी बर्तन का इस्तेमाल किया जाए । 3. बर्तनों को ढकने के लिए हमेशा उपयुक्त आकार वाले ढक्कन का इस्तेमाल किया जाए । 4. हानिकारक बैक्टीरिया को फैलने से रोकने के लिए दूध दुहने के बाद दूध जल्दी से जल्दी डीसीएस/एमपीआई में लाया जाए।